## CHAPTER II.

Vegradin: 1 उद्भिर स्वामुख्याचा।
अर्था कांग्रह्म कांग्रह्म प्राप्त वार्यः कांग्रह्म कांग्रह्म अर्थः वार्यः वार्यः

े कुएय कृत्सिता उवच खेट गद्दी उराका: (समा:)

मार्ग मार्ग में मार्ग में मार्ग मार्ग

1 As trees, shrubs, &c. 2 उद्विज ज उद्विज 3 Fem. सुन्दरी and सृन्दरा. 4 Also मिनाइर्र, and मनोइर्दिर (म). 5 Some and साध्य भद्र के रमणीके कार्य रमाणीके 6 करोक्चन के कार्यक्चन के 70 र रेप. Also रेप: (स्) and रेप: (स्. 5 Some read जरम: 9 जातक: क्याप्तक: also जनक: 10 Likewa ह्यार 11 Some discriminate the two first terms as signifying simply dirty: and the other two spoiled by dirt.